क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 211, शनिवार, 25 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

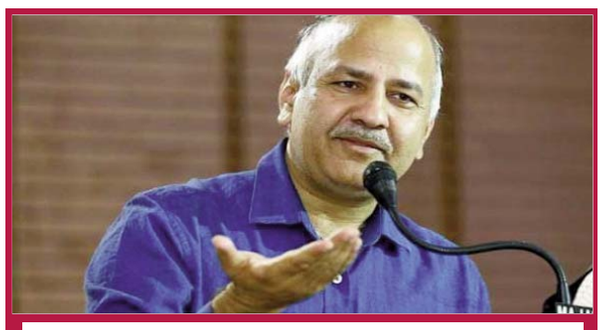

केजरीवाल सरकार और केंद्र में मतभेद जारी, सिसोदिया ने उठाए प्रशासन पर सवाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासन का प्रारूप ''काफी खराब'' है जो केंद्र, दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों जैसी कई एजेंसियों के शामिल होने के कारण और जटिल बन जाता है। सिसोदिया ने कहा कि प्रशासन केंद्र, दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों के बीच ''बिखरा पड़ा है।' वह पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की तरफ से आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''प्रशासन से संबंधित काफी विवाद हैं जो दिल्ली में प्रशासन के प्रारूप को काफी खराब बना देता है।'' दिल्ली में आप सरकार का केंद्र के साथ रस्साकशी जारी है।

हत्या मामले में आरोपी महिला ने बच्चे को दिया जन्म,अस्पताल से फिर जेल भेजी गई

कठुआ । हत्या मामले में जिला जेल में बंद गर्भवती महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया है। बीती बुधवार देर रात को महिला को प्रसव पीड़ा के चलते जिला जेल से अस्पताल शिफ्ट किया गया था। यहां उसने लडके को जन्म दिया। नारमल तरीके से हुई डिलीवरी के बाद वीरवार सुबह उसे वापिस जिला जेल शिफ्ट किया गया। जानकारी के अनुसार आरोपी महिला सुनीता देवी निवासी बसोहली गत मई माह से जिला जेल में बंद है। महिला पर बसोहली पुलिस स्टेशन में हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज है। केस के आई.ओ. सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि महिला के देवर ने एक पठानकोट निवासी फेरी वाले की हत्या की थी जबकि महिला सुनीता देवी ने उसके साथ मिलकर हत्या के सबूतों को मिटाने का प्रयास किया था। इसी मामले में महिला को भी आरोपी बनाया गया है। जिस समय महिला को जिला जेल भेजा गया था वह उस समय गर्भवती थी। आपको बता दें कि फेरी वाले का शव नगाली क्षेत्र से पुलिस ने बरामद किया था जिसके बाद भाभी और देवर दोनों को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

आखिरी पड़ाव में अमरनाथ यात्रा, 137 यात्रियों का अंतिम जत्था रवाना

जम्मू। तीन दिन स्थगित रहने के बाद शुक्रवार को अमनाथ यात्रा फिर से शुरू कर दी गई। भगवती नगर आधार शिविर से 137 यात्रियों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर श्रीनगर के लिए रवाना किया गया। श्रद्धालुओं को सात गाडियों में सुरक्षा के साथ रवाना किया गया। अमरनाथ यात्रा को संपन्न होने में दो दिन शेष हैं। रविवार को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन का त्यौहार है और इसी दिन पवित्र छड़ी पूजन के साथ ही अमरनाथ यात्रा संपन्न हो जाएगी। गौरतलब है कि कश्मीर में बकरीद थी और सुरक्षा कारणों से यात्रा को तीन दिनों के लिए स्थगित किया गया था। साठ दिनों की यात्रा में अभी तक 2.84 श्रद्धालुओं ने पवित्र अमरनाथ गुफा में विराजमान बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिये हैं।

जेएनयू ने 48 प्रोफेसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। जेएनयू प्रशासन ने कुलपति द्वारा लागू की गई नीतियों के खिलाफ 31 जुलाई को एक दिन की हड़ताल में कथित तौर रूप से शामिल होने पर आज 48 प्रोफेसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। जेएनयू की प्रोफेसर आएशा किदवई ने दावा किया कि विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी परिषद की गुरुवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। किदवई ने बताया, 'जारी किए गए नोटिस में शांतिपूर्ण हड़ताल की कार्रवाई को विश्वविद्यालय के कानूनों, नियमों का उल्लंघन बताया गया है। हम इस तरह के तरीके से बेहद परेशान हैं जिसमें विरोध के लोकतांत्रिक कृत्य को अनुशासनहीनता और गैरकानूनी कार्य के रूप में माना जा रहा है।' 31 अगस्त को शिक्षकों ने हाथों में तख्तियां लेकर और काला बैज लगाकर प्रदर्शन किया था जिसमें कुलपति के नीति निर्णयों को लेकर अपना विरोध व्यक्त किया था।

कश्मीरियों को खात्मा करने में जुटे आतंकी, टंगमर्ग में फारेस्ट विभाग कर्मी की हत्या

श्रीनगर। आतंकवादी कश्मीर में अब सिर्फ सुरक्षाबलों को ही निशाना नहीं बना रहे हैं बल्कि उन्होंने स्थानीय कश्मीरियों को भी अपना टारगेट बना लिया है। ईद के दिन जहां उन्होंने तीन स्थानीय पुलिसकर्मियों को मार दिया वहीं वीरवार देर शाम फारेस्ट विभाग के एक कर्मी को गोली मार दी। पुलिस के अनुसार टंगमर्ग में तारीक अहमद मलिक निवासी कुंजेर को उग्रवादियों ने उसके घर के बाहर निकट से गोली मार दी। स्थानीय लोगों ने इस मामले में जिस आतंकी की शिनाख्त की है उसका नाम युसुफ डार उर्फ कांतरू बताया जा रहा है और यह लश्कर का आतंकी है। पुलिस ने इस मामले में ममला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पिछले कुछ समय से आतंकी स्थानीय लोगों को भडका रहे हैं और उन्हें पुलिस की नौकरियां छोडने को भी कह रहे हैं।

35-ए के विरोध में वेस्ट पाकिस्तानी रिफ्यूजियों ने निकाला रोष मार्च, सुप्रीम कोर्ट से इसे हटाने की गुहार

कठुआ ।

35 -ए को हटाने के समर्थन में वेस्ट पाकिस्तानी रिफ्यूजियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को शहर के ड्रीम लैंड पार्क परिसर से जिला सचिवालय तक रोष मार्च निकालते हुए रिफ्यूजियों ने इसका विरोध जताया। रिफ्यूजियों ने साफ कर दिया कि 35-ए ही एकमात्र ऐसा कारण है जिसके कारण वे यहां अधिकारों से वंचित हो रहे हैं। रिफ्यूजी एक् शन कमेटी के प्रधान लब्बा राम गांधी ने कहा कि 27 को आगामी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने जा रही है जबकि वे मांग करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट इसे तत्काल बर्खास्त करे। क्योंकि इस 35-ए के कारण रिफ्यूजियों की तीन पीढियां बर्बाद हो गई हैं। उन्हें उनके हक रियासत जम्मू कश्मीर में नहीं मिल पाए। जम्मू के तमाम रिफ्यूजियों को कश्मीरी हुक्मरानों ने दबाने का ही प्रयास किया है। वो कभी नहीं चाहते कि रिफ्यूजियों को उनका हक मिले। गांधी ने कहा कि इसके हटाने से ही यहां के लोगों को इंसाफ मिल मिलेगा। उन्होंने भारत सरकार से अपील करते हुए कहा कि वे कश्मीर में तिरंगा जलाने वालों की आवाज को न सुने।

वे लोग 35-ए का समर्थन कर रियासत को काले अंधेरे की ओर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। वे लोग देश विरोधी हैं।

वे धमकियां दे रहे हैं कि 35-ए के हटने से कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वे बता देना चाहते हैं कि जम्मू के डोगरों ने हमेशा से ही तिरंगा उठाया है और भविष्य में भी हटाएंगे। उन्होंने कहा कि वे इसे हटाने के समर्थन में हैं और सरकार भी इस दिशा में प्रयास करे। इस मौके पर काफी संख्या में रिफ्यूजी शामिल रहे।

धन शोधन मामला-लालू के परिवार की मुश्किलें बढ़ीं, ईडी ने दायर किया आरोप पत्र

पटना।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद, उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ईडी ने आईआरसीटीसी के होटलों के आवंटन में धन शोधन के मामले में आरोपपत्र दायर किया है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने इसी साल जून में आईआरसीटीसी होटल धनशोधन मामले में 44.75 करोड़ रुपए कीमत की 11 जमीनें जब्त की थी ईडी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार से जुड़ी एक कंपनी के नाम पर इन जमीनों को कुर्क किया था। हाल में धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले एक प्राधिकारी ने ईडी को जब्त संपत्तियां अपने कब्जे में लेने की इजाजत दी थी. अधिकारियों ने कहा कि पटना के दानापुर इलाके में करीब तीन एकड़ क्षेत्रफल में एक-दूसरे से सटी हुई इन जमीनों पर एक बड़ा नोटिस बोर्ड लगाया गया और कब्जे के दस्तावेजों को अधिसूचित किया गया था।

पार्टी भारत के लोगों को आपस में जोडने का काम करती है: कांग्रेस

भारत में नफरत फैला रहे हैं भाजपा और आरएसएस : राहुल गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी पार्टी भारत के लोगों को आपस में जोडने का काम करती है, जबकि भाजपा और आरएसस देश को बांटने और नफरत फैलाने काम करते हैं। जर्मनी की राजधानी बिर्लिन में कल गांधी ने रात भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। इसका आयोजन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने किया था। राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे-लंबे भाषण दिए जा रहे हैं और नफरत पैदा की जा रही है, किसान लगातार आत्महत्या कर रहे हैं और नौजवान अपने लिए बेहतर भविष्य नहीं देख पा रहे हैं। गांधी ने कहा, ''कांग्रेस का ताल्लुक सभी लोगों से है, वह हर व्यक्ति के लिए काम करती है और हमारा काम विविधता में एकता पैदा करने का है। आज, भारत में सरकार दूसरे ढंग से काम कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा-आरएसएस हमारे अपने लोगों को बांट रहे हैं। वे हमारे देश में नफरत पैदा कर रहे हैं। हमारा काम लोगों को साथ लाना और देश को आगे की ओर ले जाना है। हमने दिखाया है कि यह कैसे किया जा सकता है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि चीन 24 घंटे में 50 हजार लोगों को नौकरी देता है, जबकि भारत में इतने समय में सिर्फ 450 लोगों को नौकरी मिलती है। राहुल ने कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत आगे बढ़े और आप यह कभी नहीं सुनें कि किसी भारतीय ने नफरत या क्रोध पैदा किया हो।''

हार्दिक पटेल को नहीं मिली अनशन की परमिशन, घर पर ही करेंगे उपवास

अहमदाबाद।

गुजरात में पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के नेता हार्दिक पटेल के शनिवार से यहां प्रस्तावित आमरण अनशन को अब तक अनुमति नहीं मिली है। उधर, हार्दिक ने आरोप लगाया है कि सरकार के इशारे पर उनके समर्थन के लिए गुजरात के अलग-अलग हिस्सों से अहमदाबाद आने का प्रयास कर रहे उनके समर्थकों को पकड़ा जा रहा है। इस बीच, हार्दिक के खिलाफ यहां रामोल इलाके में भाजपा के पार्षद परेश पटेल के घर पर हुए हमले से जुड़े मामले की सुनवाई आज जज की अनुपस्थिति के कारण टल गई। इस प्रकरण में राज्य सरकार ने उनके आचरण के चलते उनकी जमानत रद्द करने की अर्जी की है। हार्दिक ने इस मामले में जमानत की शर्त में सुधार का आग्रह किया है ताकि उन्हें मुकदमे की सुनवाई के दौरान रामोल इलाके में प्रवेश मिल सके। यहां सत्र अदालत में अब इस मामले में 27 अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है। हार्दिक ने आशंका जताई थी कि सरकार किसानों की ऋण माफी, पाटीदार आरक्षण आदि की मांगों पर उनके अनशन कार्यक्रम को रोकने के लिए उनका जमानत रद्द करा सकती है पर ऐसा होने पर वह जेल में भी अनशन जारी रखेंगे। वह यहां एसजी हाईवे के निकट स्थित अपने आवास पर कल से अनशन करेंगे। उन्होंने पहले शहर के पाटीदार बहुल नारोल इलाके में इसके लिए स्थान की मांग की थी और बाद में राजधानी गांधीनगर के सत्याग्रह छावनी मैदान की मांग की थी पर प्रशासन ने इसकी मंजूरी नहीं दी। हार्दिक की समर्थक माने जाने वाली विपक्षी कांग्रेस पार्टी के 21 विधायकों ने भी सरकार से उनके कार्यक्रम को मंजूरी देने की मांग की थी। उन्होंने सरकार के अहमदाबाद में निषेधाज्ञा लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया और कहा कि ऐसा उनके आंदोलन को विफल करने के प्रयास के तहत किया गया है। इस बीच हार्दिक की पूर्व सहयोगी और अब सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल रेशमा पटेल ने आज दावा किया कि हार्दिक किसी तरह अपना नाम बनाए रखने के लिए यह शिगूफा छोड़ रहे हैं। उनके पास मुद्दों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है।

शहर में बढ़ रहा वायरल बीमारियों का प्रकोप, यह बरतें सावधानी

नोएडा।

बरसात के मौसम में कभी धूप तो कभी उमस लोगों को बीमार बना रही है। लोग वायरल फीवर, लूज मोशन, डिहाइड्रेशन और डायरिया जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सेक्टर 30 स्थित जिला अस्पताल में बीते 30 दिनों में वायरल फीवर से पीड़ित 120 मरीज भर्ती किए गए हैं। इसके अलावा ओपीडी में भी बुखार से पीड़ित लोग रोजाना पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल में 21 जुलाई से 20 अगस्त तक वायरल फीवर के 120 मरीज भर्ती किए गए। इसके अलावा लूज मोशन, डिहाइड्रेशन और डायरिया जैसी बीमारी की चपेट में आए 250 लोगों को भर्ती किया गया। निजी अस्पतालों में भी बुखार से पीड़ित मरीज काफी संख्या में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. संतराम ने बताया अस्पताल में रोजाना वायरल फीवर से पीड़ित लगभग 30 लोग रोजाना पहुंच रहे हैं। जिनमें से कुछ गंभीर रोगियों को अस्पताल में भर्ती कर लिया जाता है। अगर बुखार के साथ बहुत थकान हो रही है

तो यह वायरल फीवर का लक्षण है। सिर में दर्द, बदन दर्द, जोड़ों में दर्द, खांसी जुकाम आदि बुखार के साथ हो रहा है तो भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें आंखों में दर्द, जलन और आंखें लाल हो रही हों तो यह भी वायरल बुखार का लक्षण हो सकता है उल्टी और डायरिया होना भी वायरल फीवर के लक्षण हैं। यह आपके शरीर को कमजोर बना देते हैं। बरसात में भीग जाएं तो घर जाकर तुरंत साफ पानी से स्नान करें और कपड़े बदल लें बाजार में खुले में बन रहे खाने को न खाएं तली-भुनी चीजें खाने से बचें। खाने से पहले हाथ जरूर धोएं, इससे संक्रमण फैलने की संभावना कम हो जाती है। खाने में पौष्टिक आहार शामिल करें, तरल चीजों का सेवन अधिक करें।

एयरसेल-मैक्सिस मामले में ईडी की चिदंबरम से फिर की पूछताछ

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एयरसेल-मैक्सिस धनशोधन मामले में पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदम्बम से फिर आज पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि चिदम्बरम का बयान धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज किया जाएगा। समझा जाता है कि जांच एजेंसी इस सौदे के बारे में चिदम्बरम से कुछ नये सवाल करना चाहती है। उसने इससे पहले इस सौदे के बारे में एफआईपीबी के अधिकारियों का बयान दर्ज किया था । उम्मीद है कि चिदम्बरम का उनसभी से आमना-सामना कराया जाएगा। पहले चिदम्बरम से उनके वित्त मंत्री रहने के दौरान विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (जो अब अस्तित्व में नहीं है) द्वारा एयरसेल-मैक्सिस सौदे को मंजूरी देने में अपनायी गई प्रक्रिया और तत्कालीन स्थिति के बारे में सवाल किये गए थे। चिदम्बरम के बेटे कार्ति चिदम्बरम से इस मामले में ईडी से दो बार पूछताछ कर चुकी है। जून में ईडी की ऐसी ही पूछताछ के बाद चिदम्बरम ने कहा था कि उन्होंने एजेंसी से जो कुछ कहा, वह पहले से ही सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है। उन्होंने यह भी कहा था कि कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी है, उसके बाद भी जांच शुरु की गई। उन्होंने ट्वीट किया था, ''आधे से ज्यादा समय सवालों के जवाब को बिना किसी त्रुटि के टाईप करने, बयान को पढने और उस पर दस्तखत करने में लगाया गया।'' एयरसेल-मैक्सिस प्रकरण का संबंध विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) द्वारा मैसर्स ग्लोबल कम्युनिकेशन होल्डिंग सिंवसेज लिमिटेड को एयरसेल में निवेश के लिए दी गई मंजूरी से है। उच्चतम न्यायालय ने 12 मार्च को सीबीआई और ईडी को टू जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामलों की जांच, जिनमें एयरसेल मैक्सिस कथित धनशोधन प्रकरण भी शामिल है, छह महीने में पूरा करने का निर्देश दिया था।

रक्षा बंधन पर विशेष तैयारी, दिन में 600 फेरे ज्यादा लगाएगी मेट्रो

नई दिल्ली।

दिल्ली मेट्रो ने रक्षा बंधन के लिए विशेष तैयारी की है और वह शनिवार को सामान्य से 253 तथा रविवार को 598 फेरे ज्यादा लगाएगी। दिल्ली मेट्रो के प्रवक्ता ने बताया कि रक्षा बंधन के कारण शनिवार और रविवार को होने वाली भीड को देखते हुए दिल्ली मेट्रो यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रख रही है। आम तौर पर रविवार को कुछ खंडों पर मेट्रो सेवा सुबह 6 के बजाए 8 बजे से शुरू होती है लेकिन आगामी रविवार को रक्षा बंधन होने के कारण इन खंडों पर भी मेट्रो सेवा सुबह 6 बजे शुरू हो जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को मेट्रो सामान्य दिनों से 253 तथा रविवार को 598 अधिक फेरे लगाएगी। दिल्ली मेट्रो सेवा रविवार को जहांगीर पुरी से समयपुर बादली, मुंडका से सिटी पार्क, बदरपुर बार्डर से एस्कोर्ट्स मुजेसर, मजलिस पार्क से लाजपत नगर और जनकपुरी वेस्ट से बोटेनिकल गार्डन के बीच 8 बजे के बजाए 6 बजे से चलेगी।

संपादकीय

विचित्र नजरिया

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने जर्मनी के शहर हैमबर्ग में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए जो कुछ कहा उस पर विवाद खड़ा होना ही था। इसमें हर्ज नहीं कि उन्होंने मोदी सरकार को आड़े हाथ लिया। चूंकि अब वह दौर बीत गया जब विदेश यात्र पर गए नेता घरेलू मसलों और खासकर विरोधी दलों पर टीका-टिप्पणी करने से बचते थे इसलिए इस शिकायत का महत्व नहीं कि राहुल ने विदेशी धरती पर देश का अपमान किया। सरकार की आलोचना करने को देश का अपमान करना नहीं कहा जा सकता। इसी तरह यदि प्रधानमंत्री विदेश यात्र के दौरान प्रवासी भारतीयों के बीच विपक्ष को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं तो फिर यही अधिकार विपक्ष के नेताओं को भी देना होगा। प्रधानमंत्री की तरह कांग्रेस अध्यक्ष भी विदेश में देश के मसलों पर बोलने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वहां उन्हें कहीं अधिक सतर्क रहना चाहिए। ऐसा लगता है कि वह ऐसा बिल्कुल भी नहीं कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बर्बर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के उभार के पीछे बेरोजगारी को कारण बताना न केवल विचित्र है, बल्कि खतरनाक भी। यह तो राहुल ही जानते होंगे कि वह यह कहना चाह रहे थे या नहीं कि अगर लोगों को रोजगार मुहैया नहीं कराया गया तो भारत में भी लोग इस्लामिक स्टेट जैसे खतरनाक रास्ते पर चलने लगेंगे, लेकिन इससे खराब बात और कोई नहीं हो सकती कि युवा नेता की छवि वाले कांग्रेस अध्यक्ष एक तरह से यह साबित करते दिखे कि आतंकवाद रोजगार के अभाव से उपजता है।1समस्या केवल यह नहीं कि राहुल गांधी को इस्लामिक स्टेट के उभार के पीछे बेरोजगारी नजर आई, बल्कि यह भी है कि उनकी समझ से भारत में भीड़ की हिंसा के मामलों के लिए नोटबंदी और जीएसटी जैसे फैसले जिम्मेदार हैं। क्या इन दोनों फैसलों के पहले देश में भीड़ की हिंसा के मामले सामने नहीं आ रहे थे? सवाल यह भी है कि क्या रोजी-रोजगार पर संकट की स्थिति में लोग उन्माद ग्रस्त होकर हिंसा करने लगते हैं? ध्यान रहे कि इसके पहले वह अपने इस बयान के लिए चर्चा में थे कि कोकाकोला बनाने वाले कभी शिकंजी बेचते थे। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि राहुल ऐसे विचित्र विचार कहां से लाते हैं? हैमबर्ग में उन्होंने यह भी कहा कि 21वीं सदी में अगर आप लोगों को विजन नहीं देंगे तो यह काम कोई और करेगा। बेहतर हो कि राहुल गांधी इस पर विचार करें कि वह खुद देश-दुनिया को कैसा नजरिया दे रहे हैं? यह सवाल इसलिए, क्योंकि उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को यह लगता है कि आदिवासियों, गरीब किसानों, कथित निचली जाति के लोगों और अल्पसंख्यकों को अमीरों जैसे लाभ नहीं मिलने चाहिए। इस कथन के जरिये उन्होंने एक तरह से अपना यह पुराना आरोप ही दोहराया कि मोदी सरकार केवल चंद उद्यमियों के लिए काम कर रही है। राहुल गांधी यह समझा सकेंतो बेहतर कि वह इस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे? अगर वह ऐसा नहीं करते तो फिर उनकी यह बात उन पर भी लागू होगी कि अगर आप लोगों को विजन नहीं देंगे तो कोई और देगा।

चुनौतियां और अवसर

निर्यात परिदृश्य/ जयंतीलाल भंडारी

> चीनी का उत्पादन 3.2 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जबकि देश में चीनी की खपत 2.5 करोड़ टन है। इसी तरह से देश में फलों और सब्जियों का उत्पादन मूल्य 3.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह कृषि क्षेत्र में अतिरेकी उत्पादन देश के लिए निर्यात की नई संभावनाएं प्रस्तुत कर रहा है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं। पहला कारण है कि पिछले दिनों सरकार के द्वारा घोषित की गई नई कृषि निर्यात नीति। इस नीति के तहत आजादी के बाद से अब तक पहली बार सरकार ने कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए उदार प्रोत्साहन निर्धारित किए हैं, और लक्ष्य रखा है कि कृषि निर्यात मौजूदा 30 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2022 तक 60 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाया जाए।

इस समय देश से निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटा कम करने की डगर पर कई अभूतपूर्व चुनौतियां हमें दिखाई दे रही हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हाल ही में यूरोपीय यूनियन, चीन, जापान, कनाडा, रूस, श्रीलंका, ताइवान, दक्षिण करिया और थाईलैंड ने अमेरिका के साथ मिलकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की निर्यात संवर्धन योजनाओं के खिलाफ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। पहले भी मार्च, 2018 में अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ में भारत के द्वारा दी जा रही निर्यात सब्सिडी को रोकने हेतु आवेदन दिया था। भारत की निर्यात संवर्धन योजनाओं के विरोध में डब्ल्यूटीओ में जो आवाज उठाई गई है, उसमें कहा गया है कि अब भारत अपने निर्यातकों के लिए सब्सिडी की योजनाएं लागू नहीं कर सकता क्योंकि ऐसा करना डब्ल्यूटीओ के समझौते का उल्लंघन है। कहा गया है कि निर्यात के लिए सब्सिडी ऐसे देश ही दे सकते हैं, जहां प्रति व्यक्ति आय एक हजार डॉलर सालाना से कम है। भारत में प्रति व्यक्ति आय इसके दोगुने के बराबर है। भारत का कहना है कि उसके पास निर्यात संवर्धन योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए आठ वर्षो का समय है। अमेरिका और अन्य देशों का कहना है कि जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय तीन वर्षो से लगातार एक हजार डॉलर से अधिक है, उन देशों पर यह नियम लागू नहीं होता है। ऐसे में इस विवाद के समाधान के लिए अब न्यायसंगत समाधान हेतु डब्ल्यूटीओ ने फिलीपींस के जो एंटानियो बुएनकैमिन की अध्यक्षता में एक पेनल बनाया है, जो आगामी तीन महीनों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि इस मामले में भारत कमजोर पड़ सकता है, और वर्ष 2018 के अंत तक भारत को विवादित योजनाओं पर निर्यात पर सब्सिडी खत्म करने के मद्देनजर बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। एक ओर जब निर्यात परिदृश्य पर चुनौतियां ही चुनौतियां हैं, तब देश से निर्यात बढ़ाना मुश्किल भरा काम है। हाल ही में 21 अगस्त को नीति आयोग ने कहा है कि इस समय देश की अर्थव्यवस्था के लिए रुपये में गिरावट से ज्यादा चिंता व्यापार घाटे की है। ऐसे में देश से निर्यात बढ़ाने की कवायद किए जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में देश का निर्यात 350 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह लक्ष्य प्राप्त करना कठिन है। नियंतण्र निर्यात मांग कम होने से वर्ष 2017-18 में देश से कुल 303 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया गया जबकि वर्ष 2016-17 में निर्यात का मूल्य 274 अरब डॉलर रहा। निर्यात के ये आंकड़े संतोषजनक नहीं रहे हैं। अब देश के सामने नियंतण्र व्यापार युद्ध से प्रभावित होने की नई चुनौतियां भी सामने खड़ी हैं, इससे भी निर्यात प्रभावित होने की आशंका है। पिछले वित्त वर्ष में भारत का व्यापार घाटा करीब 150 अरब डॉलर था। इसमें से एक तिहाई घाटा चीन से द्विपक्षीय व्यापार के चलते हुआ था। इस वर्ष भी चीन से व्यापार घाटे में कमी नहीं आई है। संसद की विदेश व्यापार से संबंधित नरेश गुजराल समिति ने अपनी 145वीं रिपोर्ट में चीन से माल के बढ़ते आयात से घरेलू उद्योग और रोजगार के अवसरों को हो रहे नुकसान पर गंभीर चिंताएं प्रस्तुत की हैं। वस्तुत- देश से निर्यात नहीं बढ़ने के कई कारण हैं, जिन पर विचार किया जाना जरूरी हो गया है। वाहन निर्माण, वस्त्र, इंजीनियरिंग वस्तु, परिष्कृत हीरे और चमड़े की वस्तुओं आदि उद्योगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि देश के लिए करीब 115 अरब डॉलर की सालाना विदेशी मुद्रा कमाने वाले आईटी सेवा उद्योग की आधे से अधिक आमदनी अमेरिका को सॉफ्टवेयर के निर्यात से होती है, इसलिए इस क्षेत्र को दरपेश समस्याओं पर खास दिया जाना अपेक्षित है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वीजा संबंधी कठोर निर्णय से आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में परचम फहराते हुए आगे बढ़ने वाले भारत के समक्ष चिंताएं बढ़ गई हैं, और अमेरिका से आईटी निर्यात की आमदनी आधी से भी कम रह जाने की आशंका है। ऐसे में देश से निर्यात बढ़ाने और देश का व्यापार घाटा कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाने होंगे। देश से कृषि निर्यात की नई संभावनाएं उभर कर दिखाई दे रही हैं। देश में खाद्यान्न, फलों और सब्जियों का उत्पादन हमारी खपत से बहुत ज्यादा है। साथ ही, देश में 6.8 करोड़ टन गेहूं और चावल का भंडार भी है। गौरतलब है कि यह जरूरी बफर स्टॉक के मानक से दोगुना है। दूध का उत्पादन आबादी बढ़ने की दर से चार गुना तेजी से बढ़ रहा है। देश में दूध उत्पादन वर्ष 2017-18 के दौरान बढ़कर 17.63 करोड़ टन रहने का अनुमान है। चीनी का उत्पादन 3.2 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जबकि देश में चीनी की खपत 2.5 करोड़ टन है। इसी तरह से देश में फलों और सब्जियों का उत्पादन मूल्य 3.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह कृषि क्षेत्र में अतिरेकी उत्पादन देश के लिए निर्यात की नई संभावनाएं प्रस्तुत कर रहा है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं। पहला कारण है कि पिछले दिनों सरकार के द्वारा घोषित की गई नई कृषि निर्यात नीति। इस नीति के तहत आजादी के बाद से अब तक पहली बार सरकार ने कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए उदार प्रोत्साहन निर्धारित किए हैं, और लक्ष्य रखा है कि कृषि निर्यात मौजूदा 30 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2022 तक 60 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाया जाए। इसके साथ ही तेजी से निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से स्थापित सेज को गतिशील बनाया जाना भी जरूरी है। हम आशा करें कि सरकार के द्वारा वर्ष 2020 तक निर्यात बाजार में तेजी से आगे बढ़ने और नियंतण्र निर्यात में भारत का हिस्सा दो फीसदी तक पहुंचाने के लिए निर्यात की नई संभावनाओं को साकार किया जाएगा तथा निर्यात के नए बाजारों में दस्तक दी जाएगी। इस समय जब देश के निर्यात पर डब्ल्यूटीओ की चुनौती सामने खड़ी हुई है, तो ऐसे में अब वक्त आ गया है कि व्यापारिक सुविधाओं और निर्यात के लिएबुनियादी ढांचा बढ़ाकर लालफीताशाही में कमी लाई जाए जिससे सरकार के सब्सिडी संबंधी समर्थन के बिना भी निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ सके। साथ ही, इस समय डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपये का लाभ लेकर भी निर्यात बढ़ाने का बेहतर अवसर मुट्ठी में लिया जाना चाहिए।

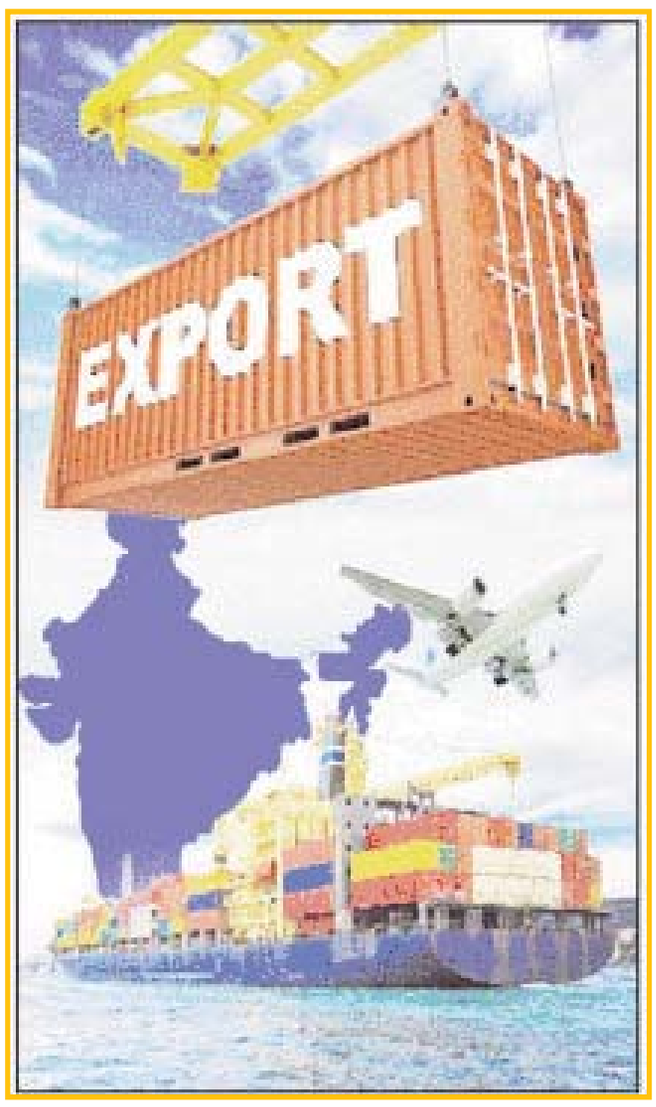

आज का राशीफल

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

अपना-अपना कद अपना-अपना मद

– डॉ. दीपक आचार्य

> *आमतौर पर होता यही आया है कि भौगोलिक लिहाज से बड़े व अपेक्षाकृत विकसित स्थल विशेष पर पहुंचे या रह रहे बहुसंख्य ऐसे लोग अपने से निम्न क्षेत्रों के लोगों को अपने से कम ही आँकते हैं व व्यवहार भी उसी अनुरूप करते हैं भले ही सामने वाला उनसे इन बड़ों को अपने कर्मस्थलों पर भी बड़प्पन दिखाते देखा जा सकता है। बड़ेपन को अंगीकार करने वाले आदमियों की फितरत कहें या बड़े शहरों या महानगरों की हवाओं की असर, कुछ बिरलों को छोड़ दिया जाए तो बहुसंख्य आदमी वो नहीं रहा करते जैसे देहात या अपने इलाकों से आए होते हैं।*

आदमी जैसा आया है, जो है वैसा ही रहता है। निरंतर कठोर परिश्रम से प्राप्त उपलब्धियों वाले आदमी जहाँ रहते हैं वहीं स्वर्ग बना लेते हैं। उनके लिए स्थान का कोई ख़ास महत्त्व नहीं होता। इनके लिए उनका अपना निश्छल कर्मयोग प्रत्येक स्थान पर भारी रहता है और इसकी गंध बरसों बाद तक महसूस की जाती रहती है। सच्चे कर्मवीर देश, काल व परिस्थितियों से ऊपर उठकर काम करते हैं। इनके पास मौलिक हुनर के साथ ईश्वरीय कृपा भी अटूट होती है। फिर इनके लोकमंगलकारी कार्यों व सद्भावी व्यक्तित्व की वजह से सभी की दुआएँ भी खूब मिलती रहती हैं। असल मे ये ही इनकी पूंजी होती है। इन बहुआयामी ऊर्जाओं के ही फलस्वरूप ऐसे लोगों के लिए अनवरत रचनात्मक कर्म करते रहना ही जीवन का लक्ष्य बना रहता है। इन दृढ़ संकल्पों के बीच न स्थान विशेष इन्हें प्रभावित कर पाता है, न समय। और न ही स्थान विशेष। ये जहाँ रहते हैं वहाँ हर परिस्थिति में खुद ढल जाते हैं व प्रसन्नता के साथ तमाम कठिनाइयों को चुनौती के रूप में स्वीकार भी कर लेते हैं। इन सभी प्रकार की परिस्थितियों में समन्वय बनाये रखने वाले लोग समता भाव, सहिष्णुता, धैर्य, परहित की भावनाओं के साथ निरंहकारी रहते हैं। ये लोग बड़े ओहदों पर होने के बावजूद छोटी जगह पर रहें अथवा छोटे ओहदों को धारण करते हुए बड़ी जगह पर रहें, ये स्थान विशेष की हवाओं की नेकचलनी या बदचलनी से अप्रभावित रहते हैं क्योंकि इन्हें अपनी मर्यादाओं की परिधि का भान हमेशा बना रहता है। यह असीम आत्मतुष्टि ही इन्हें हमेशा आनन्ददायी और स्फूर्तिमान बनाये रखती है। इसके विपरीत काफी संख्या में ऐसे-ऐसे लोग पैदा हो गए हैं जो अधजल गगरी बने हुए जहाँ-तहाँ छलकते रहकर अपने होने का प्रमाण दर्शाते रहते हैं। इनके जीवन में न मर्यादा रहती है न समत्व या दूसरों के प्रति संवेदनशीलता या परोपकार का भाव। ऐसे लोग अपनी उच्चाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इनमे बड़े ओहदेधारी किसी छोटे स्थान पर लगा दिए जाएं तो इनका हर दिन असंतोष के साथ उगता है। ऐसे में ये न खुद के काम ढंग से कर पाते हैं न औरों के। किसी छोटे स्थान विशेष में समृद्धि या आकर्षण का कोई केन्द्र हो तब अपवाद कहा जा सकता है वरना ये रोजाना कुढ़ते रहकर दिन काटते हैं। दूसरी अवस्था में इस किस्म के आदमी अपनी हैसियत से ज्यादा ओहदा पा जाएं अथवा किसी बड़े स्थान विशेष में लगा दिए जाएं तब इनकी असलियत कुछ और ही हो जाती है। बड़े स्थलों पर पहुंचकर ये लोग अपने आपको बड़ा आदमी या बड़ा साहब महसूस करने लग जाते हैं और अपने चारों तरफ हमेशा इस इन्द्रजाल का आभामण्डल बुनते रहते हैं। बड़े स्थान विशेष पर होने वाले ये लोग फिर उन पर भी हुकूमत करने की कोशिश करने लगते हैं जो छोटे स्थलों पर तैनात हैं लेकिन ओहदों में उनसे भी बड़े हैं। बड़े स्थलों में पहुँचकर अचानक बड़े हो जाने वाले ये लोग अपने कई-कई किरदारों में जीने लगते हैं। कभी ये संरक्षक या भाई-बहन का सम्बंध बनाकर नसीहत देने लगते हैं, कभी महानतम विशेषज्ञ और चिंतक के रूप में उपदेश झाड़ने लग जाते हैं, और कभी बॉस की भूमिका में डाँटने-डपटने या घुट्टी पिलाने। आमतौर पर होता यही आया है कि भौगोलिक लिहाज से बड़े व अपेक्षाकृत विकसित स्थल विशेष पर पहुंचे या रह रहे बहुसंख्य ऐसे लोग अपने से निम्न क्षेत्रों के लोगों को अपने से कम ही आँकते हैं व व्यवहार भी उसी अनुरूप करते हैं भले ही सामने वाला उनसे इन बड़ों को अपने कर्मस्थलों पर भी बड़प्पन दिखाते देखा जा सकता है। बड़ेपन को अंगीकार करने वाले आदमियों की फितरत कहें या बड़े शहरों या महानगरों की हवाओं की असर, कुछ बिरलों को छोड़ दिया जाए तो बहुसंख्य आदमी वो नहीं रहा करते जैसे देहात या अपने इलाकों से आए होते हैं। बड़प्पन का यह अहंकार उन सभी लोगों को हो सकता है जिन्हें बड़े स्थान में रहते हुए ये स्थल रास आ जाते हैं। फिर चाहे ये लोग कितने ही बड़े विद्वान, बड़े ओहदेदार या धीर गंभीर क्यों न हों। हम में खूब ऐसे हैं जो उन लोगों को जानते हैं जिन्हें बड़े शहरों के सारे रोग लग गए हैं ओर ये अपने आपको अब इतना बड़ा समझने लगे हैं कि अगले जनम में खजूर बन कर ही रहेंगे। बड़े स्थान पर अपने आपको बड़ा मानकर चलने वाले ये छोटे लोग शोषण और अन्याय की पराकाष्ठा भी पार कर देते हैं। इसे यों समझा जा सकता है कि राजधानियों में राज्य मुख्यालयों में काम करने वाले कर्मचारी और अधिकारी जिलों में बैठे अपने ही विभाग के नुमाइन्दों के साथ कैसा सामंती व्यवहार करते हैं यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। इन शोषक मनोवृत्ति वाले लोगों के सारे भ्रम स्थान बदलते ही टूट कर बिखर जाते हैं। इसके साथ ही बड़े स्थल पर कर्मशीलता के दौर में पनप गए सारे हवाई किले ध्वस्त हो जाते हैं और इन्हें ज्ञात होता है जिन्दगी का अहम सच, जिसके बगैर वे अंधेरे में ही तीर चला रहे थे।

विचार मंथन

क्या वाकई बढ़ गई है भारत के शृंखला जीतने की आस

शिवेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ खेल पत्रकार

डेढ़ महीने पहले टीम इंडिया को लेकर जमकर गरमाई चर्चा ने वक्त से पहले ही दम तोड़ दिया था। चर्चा इस बात को लेकर थी कि क्या टीम इंडिया के पास इस बार इंग्लैंड को उसी के घर में टेस्ट सीरीज में हराने का शानदार मौका है? कई बड़े दिग्गजों ने इस सवाल के जवाब में 'हां' कहा था। इस 'हां' के पीछे उनके पास अपने तर्क भी थे। मुसीबत तब हुई, जब सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी औंधे मुंह गिरी और उसे 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा। स्थिति तब और बिगड़ गई, जब लॉर्ड्स में अगले टेस्ट मैच में टीम इंडिया को पारी और 159 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पहले टेस्ट में तो बल्लेबाजों ने ही निराश किया था, दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों ने भी हथियार डाल दिए। लगातार दो टेस्ट मैच की इन हार के तुरंत बाद टीम इंडिया के इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने की चर्चा ने दम तोड़ दिया था। जिन्होंने इस चर्चा के पक्ष में दावा किया था, वे भी शांत हो गए थे। अलबत्ता नई चर्चा इस बात को लेकर शुरू हो गई कि कहीं भारतीय टीम को इस सीरीज में 'व्हाइट वॉश' न झेलना पड़े? कहीं ऐसा न हो कि इस सीरीज के बाद बतौर कप्तान विराट कोहली और बतौर कोच रवि शास्त्री को बोर्ड के सामने नजरें नीची करनी पड़ें? नॉटिंघम टेस्ट मैच के नतीजे ने इस स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। नॉटिंघम में भारत ने इंग्लैंड को 203 रनों से हराया। मैच के आखिरी दिन तीसरे ओवर में ही इंग्लैंड की टीम के आखिरी बल्लेबाज के तौर पर जेम्स एंडरसन आउट हुए और टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को पहली जीत मिली। इस जीत की सबसे बड़ी बात रही कि इंग्लैंड के मुकाबले भारतीय टीम ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग, तीनों में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। इसकी सीधी वजह थी कि नॉटिंघम में भारतीय टीम इंग्लैंड के मुकाबले बेहतर संतुलित थी। भारतीय बल्लेबाजों ने अपनी जिम्मेदारी को समझा। उन्होंने पहले दोनों टेस्ट मैच के मुकाबले अपनी तकनीक और रणनीति को बदला। गेंद तक बल्ले को ले जाने की बजाय गेंद को बल्ले तक आने दिया। यानी गेंद को 'लेट' खेला। साथ ही भारतीय बल्लेबाज पिछले दो टेस्ट मैच की नाकामी को भुलाकर मैदान में उतरे। दोनों ही पारियों में पहले विकेट के लिए अर्द्धशतकीय साझेदारी हुई, जिसके चलते इंग्लैंड के गेंदबाजों को पसीना बहाना पड़ा और गेंद की चमक भी थोड़ी फीकी पड़ी। भारतीय कोच रवि शास्त्री ने मैच से पहले खिलाड़ियों को जो जिम्मेदारी समझने की नसीहत दी थी, उसे बल्लेबाजों ने अच्छी तरह समझा भी। गेंदबाजी में जो बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हुआ, वह था टीम में जसप्रीत बुमराह का वापस आना। बुमराह टीम की गेंदबाजी में आक्रामकता और पैनापन लेकर आए। पहले दो टेस्ट मैच में अनफिट रहे बुमराह ने नॉटिंघम में सात विकेट लिए। इसमें दूसरी पारी के पांच विकेट शामिल हैं। दोनों ही पारियों में उन्होंने साथी गेंदबाजों के मुकाबले ज्यादा गेंदबाजी की। बुमराह की गेंदबाजी का खास पक्ष है उनका दिमाग। वह इनस्विंग फेंकते-फेंकते अचानक एक छोटी गेंद फेंकते हैं, जिससे बचना बल्लेबाजों के लिए चुनौती होती है। बुमराह की टीम में वापसी के साथ-साथ हार्दिक पांड्या की फॉर्म में वापसी हुई है। हार्दिक पांड्या ने पहली पारी में पांच विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने दूसरी पारी में तेज रफ्तार से अर्द्धशतक भी लगाया। कप्तान विराट कोहली की फॉर्म तो खैर कमाल की है। पहले टेस्ट मैच में शतक। तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 97 रन बनाए और दूसरी पारी में शतक जड़ा। उन्होंने इंग्लैंड में इस दौरे पर अपना वह रूप दिखा दिया है, जो उनकी पिछली नाकामियों को भूलने के लिए काफी है। यह तो हुई टीम इंडिया की बात, इंग्लैंड के खेमे को लेकर बस इतना जानना जरूरी है कि उनके तेज गेंदबाज थके हुए दिख रहे हैं और उनकी सलामी जोड़ी रंग में नहीं है। कप्तान जो रूट का बल्ला भी रूठा हुआ है। जाहिर है, वह चर्चा एक बार फिर जोर पकड़ रही है कि क्या इस बार इंग्लैंड से टीम इंडिया टेस्ट सीरीज पर कब्जा करके लौटेगी?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ट्रंप की धमकी,अगर मुझ पर महाभियोग चलाया तो ढह जाएगा बाजार

इंटरनैशनल डेस्क।

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुर्सी पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। आने वाले समय में ट्रंप कोमुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। चुनाव अभियान के पूर्व सलाहकार ने आज आगाह किया कि ट्रंप के पूर्व अधिवक्ता माइकल कोहेन द्वारा जुर्म स्वीकार किए जाने के कारण राष्ट्रपति को कुछ महीनों में महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप के लिए काम करने वाले कोहेन ने मंगलवार को कर धोखाधड़ी, बैंकों को झूठे बयान देने और प्रचार अभियान में वित्तीय उल्लंघनों समेत आठ आरोप स्वीकार किए थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर नवंबर में उनकी सरकार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जाता है तो न केवल पूरा मार्केट क्रैश (ढह) हो जाएगा बल्कि सभी गरीब हो जाएंगे। फॉक्स न्यूज को दिए फॉक्स एंड फ्रेंड्स कार्यक्रम में दिए अपने इंडरव्यू में उन्होंने कहा कि अगर किसी ने बहुत अच्छा काम किया है तो कोई उस पार्टी के खिलाफ कैसे महाभियोग चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं आपको बताता हूं कि अगर कभी मेरे खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जाता है तो मुझे लगता है कि पूरा बाजार ध्वस्त हो जाएगा। आप सोच भी नहीं सकते कि इसका क्या दुष्प्रभाव हो सकता है, मुझे लगता है कि सभी बहुत गरीब हो जाएंगे जो अभी उन्हें दिखाई नहीं दे रहा है। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के पूर्व सलाहकार ने आगाह किया था कि डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व अधिवक्ता माइकल कोहेन द्वारा जुर्म स्वीकार किए जाने के कारण राष्ट्रपति को कुछ महीनों में महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप के लिए काम करने वाले कोहेन ने मंगलवार को कर धोखाधड़ी, बैंकों को झूठे बयान देने और प्रचार अभियान में वित्तीय उल्लंघनों समेत आठ आरोप स्वीकार किए थे।

भारत में नफरत फैला रहे हैं भाजपा और आरएसएस : राहुल गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी पार्टी भारत के लोगों को आपस में जोडने का काम करती है, जबकि भाजपा और आरएसस देश को बांटने और नफरत फैलाने काम करते हैं। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कल गांधी ने रात भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। इसका आयोजन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने किया था। राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे-लंबे भाषण दिए जा रहे हैं और नफरत पैदा की जा रही है, किसान लगातार आत्महत्या कर रहे हैं और नौजवान अपने लिए बेहतर भविष्य नहीं देख पा रहे हैं। गांधी ने कहा, ''कांग्रेस का ताल्लुक सभी लोगों से है, वह हर व्यक्ति के लिए काम करती है और हमारा काम विविधता में एकता पैदा करने का है। आज, भारत में सरकार दूसरे ढंग से काम कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा-आरएसएस हमारे अपने लोगों को बांट रहे हैं। वे हमारे देश में नफरत पैदा कर रहे हैं। हमारा काम लोगों को साथ लाना और देश को आगे की ओर ले जाना है। हमने दिखाया है कि यह कैसे किया जा सकता है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि चीन 24 घंटे में 50 हजार लोगों को नौकरी देता है, जबकि भारत में इतने समय में सिर्फ 450 लोगों को नौकरी मिलती है। राहुल ने कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत आगे बढ़े और आप यह कभी नहीं सुनें कि किसी भारतीय ने नफरत या क्रोध पैदा किया हो।''

ऑस्ट्रेलिया के छठे प्रधानमंत्री बने स्कॉट मॉरिसन, 45 वोटों से जीता बहुमत

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के वित्त मंत्री स्कॉट मॉरिसन लिबरल पार्टी का नेतृत्व से संबंधित चुनाव जीत गये हैं और मैल्कम टर्नबुल की जगह अब वह देश के नये प्रधानमंत्री बनेंगे। मॉरिसन 10 वर्ष से भी कम अंतराल में ऑस्ट्रेलिया के छठे प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। उन्होंने पूर्व गृह मंत्री पीटर डटन और विदेश मंत्री जूली बिशप के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में सर्वाधिक 45 मत हासिल किए। सिडनी निवासी मॉरिसन ऑस्ट्रेलिया के पर्यटन मंत्री रह चुके हैं। टर्नबुल ने पार्टी में बहुमत का समर्थन खो देने के बाद चुनाव मैदान में नहीं उतरने का निर्णय लिया था। लिबरल पार्टी ऑस्ट्रेलिया में सत्तारूढ़ कंजरवेटिव गठबंधन में वरिष्ठ साझीदार है। गौरतलब है कि नेतृत्व को लेकर मंगलवार को ही संघर्ष शुरू हो गया था जब डटन ने उन्हें बहुमत साबित करने की चुनौती दी थी। इस मतदान में श्री टर्नबुल कुछ मतों से जीत गये थे और वह पद पर कायम रह गये थे लेकिन उनकी पार्टी में से ही दूसरी बार मतदान कराए जाने की मांग को लेकर दबाव बढ़ाए जाने के बाद उन्होंने शुक्रवार को पार्टी की बैठक बुलाई और कहा कि अगर वह प्रधानमंत्री पद खो देते हैं तो वह संसद से भी इस्तीफा दे देंगे। टर्नबुल सितंबर 2015 से प्रधानमंत्री बने थे और वर्ष 2016 में उन्होंने आम चुनाव भी जीत लिया था।

आमने सामने हुए अमरीका और चीन, एक दूसरे के सामानों पर लगाए शुल्क

न्यूयार्क/बीजिंग।

अमरीका और चीन दोनों देशों ने एक दूसरे के 16 अरब डॉलर मूल्य के सामानों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाए हैं। व्यापारिक संबंध सुधारने को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों की वार्ता बगैर किसी सफलता के गुरुवार को संपन्न हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरीका ने 16 अरब डॉलर मूल्य के चीन की वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लागू कर दिया। इस शुल्क के तहत चीन के 279 उत्पादों को निशाना बनाया गया जिसमें रसायन, प्लास्टिक, रेलवे उपकरण एवं अन्य सामानों को शामिल किया गया है। दूसरी ओर चीन ने भी 16 अरब डॉलर मूल्य के 333 अमेरिकी वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया। शुल्क के दायरे में जिन वस्तुओं को शामिल किया गया उनमें ईंधन, चिकित्सा उपकरण, बसें एवं अन्य वस्तु शामिल हैं। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ड्क्षलडसे वाल्टर्स ने एक बयान में कहा कि अमरीका और चीन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच दो दिवसीय वार्ता संपन्न हो गई। वार्ता के दौरान आर्थिक संबंधों में निष्पक्षता, संतुलन और आर्थिक संबंध में पारस्परिकता प्राप्त करने के तरीकों पर विचार विमर्श किया गया।'' सुश्री वाल्टर्स ने कहा,''बौद्धिक संपदा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नीतियों समेत चीन में संरचनात्मक मुद्दों पर भी चर्चा की गयी।'' चीन के वाणिज्य मंत्री ने बीजिंग में कहा कि वह अमरीका के नवीनतम शुल्कों को लेकर विश्व व्यापार संगठन में शिकायत दर्ज कराई है।

संक्षिप्त समाचार

गूगल ने कई यूटयूब चैनल लगाया बैन

सान फ्रांसिस्को । गूगल ने कथित रूप से ईरान से जुड़े कुछ यूटयूब चैनल और अन्य खातों को ब्लॉक कर दिया है। बताया जा रहा है कि इन खातों का इस्तेमाल गलत सूचनाएं फैलाने में किया जा रहा था। इससे पहले फेसबुक और ट्विटर ने भी इसी तरह का कदम चुके हैं। गूगल ने कल कहा कि साइबर सुरक्षा कंपनी फायरआई की मदद से जांच में उसने पाया कि ये खाते इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग से जुड़े थे। उसके अनुसार यह सबंध कम से कम जनवरी, 2017 से चुल रहे एक प्रयास के तहत था। गूगल के उपाध्यक्ष केंट वॉकर ने बयान में कहा, 'हमने आईआरआईबी संगठन से जुड़े कई खातों की पहचान कर उन्हें बंद कर दिया है।' उन्होंने कहा कि इस तरह खातों के जरिए भ्रम फैलाना हमारी नीतियों का उल्लंघन है। हम अपने नेटवर्क से इस तरह की सामग्री को शीघ्रातिशीघ्र हटा देते हैं और ऐसे लोगों के खातों को बंद कर देते हैं। गूगल ने कहा कि उसने 39 यू यूटयूब चैनल ब्लॉक और संबंधित वीडियो ब्लॉक किए हैं। साथ ही उसने ब्लॉगरों के छह खातों को बंद किया और गूगल प्लस सोशल नेटवर्क पर 13 खाते ब्लॉक किए हैं।

ब्रिटेनः भारतवंशी पैथोलॉजिस्ट पर पोस्टमॉर्टम में लापरवाही बरतने का आरोप

लंदन। ब्रिटेन में एक भारतवंशी पैथोलॉजिस्ट पर एक अस्पताल में कुछ पोस्टमॉर्टम में लापरवाही बरतने के आरोप हैं। पुलिस मामले में इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी के खिलाफ किसी तरह के आपराधिक आरोपों की आवश्यकता है या नहीं।मैनचेस्टर में रॉयल ओल्डहैम हॉस्पिटल में कंसल्टेंट हिस्टोपैथोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत खालिद अहमद ने उत्तर मैनचेस्टर कोरोनर (पोस्टमॉर्टम) कार्यालय के लिये कई पोस्टमॉर्टम किये थे। 'द डेली टेलीग्राफ' की रिपोर्ट के अनुसार एक जांच में यह खुलासा हआ कि अहमद ने बार-बार मरीजों की मौत का गलत कारण रिकॉर्ड किया, उनके अंगों की गलत पहचान की और संभवत- शवों की अदला-बदली भी की। पिछले साल मई में उत्तर मैनचेस्टर कोरोनर कार्यालय में वरिष्ठ कोरोनर ने अहमद के परीक्षणों पर सवाल उठाते हुए ड्क्षचता जाहिर की थी और एक हालिया समीक्षा में उसकी ''अधूरी'' रिपोर्टों को लेकर ''अहम चिताओं'' का भी पता चला। शेफील्ड टीड्क्षचग हॉस्पिटल्स में कंसल्टेंट हिस्टोपैथोलॉजिस्ट प्रोफेसर सिमॉन किम सुवर्णा ने अहमद के मामले में समीक्षा की और पाया कि कुछ रिपोर्ट में मौत की वजह ''गलत'' बताई गई है। अहमद वर्ष 1989 में बेंगलूरू में चिकित्सक की योग्यता हासिल की थी। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बताया जाता है कि सुवर्णा ने यह भी पाया कि अहमद के परीक्षण ''उन मानकों के अनुरूप नहीं थे जिनकी किसी शव के अंत्य परीक्षण को पूरा करने में पैथोलॉजी छात्रों से अपेक्षा की जाती है। इसके बाद कोरोनर ने इस संबंध में पुलिस को सूचित किया और पुलिस मामले में जांच कर रही है।

घर पर मातृ भाषा बोलने वाले बच्चे होते हैं मेधावी!

लंदन। विदेश में रहनेवाले वैसे बच्चे जो अपने घर में परिवारवालों के साथ मातृभाषा में बात करते हैं और बाहर दूसरी भाषा बोलते हैं, वह ज्यादा अक्लमंद होते हैं। एक नए अध्ययन से यह जानकारी मिली है। ब्रिटेन के यूनिर्विसटी ऑफ रीड्क्षडग के शोधकर्ताओं ने शोध में यह पाया कि वैसे बच्चे जो स्कूल में अलग भाषा बोलते हैं और परिवारवालों के साथ घर में अलग भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें बुद्धिमत्ता जांच में उन बच्चों के मुकाबले अच्छे अंक लाए जो सिर्फ गैर-मातृभाषा जानते हैं। इस अध्ययन में ब्रिटेन में रहनेवाले तुर्की के सात से 11 साल के 100 बच्चों को शामिल किया गया। इस आईक्यू जांच में दो भाषा बोलने वाले बच्चों का मुकाबला ऐसे बच्चों के साथ किया गया जो सिर्फ अंग्रेजी बोलते हैं।

इंडोनेशियाः भूकंप की वजह से मरनेवालों की संख्या पहुंची 555

जकार्ता। इंडोनेशिया के लोगों को हाल के दिनों में भयानक भूकंप का सामना करना पड़ा है। इस भूकंप की वजह से लोम्बोक द्वीप में काफी क्षति पहुंची है और अब तक 555 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,500 लोग घायल हैं। इंडोनेशिया के आपदा प्रबंधन एजेंसी से यह जानकारी मिली है। प्राकृतिक छटा की वजह से छुट्टियां मनाने के लिए बेहद खूबसूरत जगह के रूप में मशहूर बाली द्वीप पर भी 29 जुलाई और पांच अगस्त को भयानक भूकंप आया था । पिछले सप्ताह रविवार को भूकंप के ताजा झटके महसूस किए गए और सबसे तेज झटके की तीव्रता 6.9 थी। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि पिछले सप्ताह शुक्रवार को लोम्बोक के उत्तरी हिस्से में ज्यादा लोगों की मौतें हुई। इसके अलावा पड़ोस में स्थित सुमबावा द्वीप में भी कई लोगों की मौत हो गई। कई पीड़ितों की मौत मलबे के नीचे दबने से हो गई क्योंकि भूकंप की वजह से बड़ी संख्या में घर और प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

मॉस्को में हुए हमले में पुलिसकर्मी घायल, हमलावर की हुई मौत

मॉस्को। रूस के अशांत उत्तरी काकेशस प्रांत के रहने वाले एक व्यक्ति ने मॉस्को में विदेश मंत्रालय के भवन के पास पुलिसर्किमयों पर गोलियां चलायीं जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। वहीं जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी घायल हो गया। देश की शीर्ष जांच एजेंसी 'इंवेस्टिगेटिव कमेटी' ने बताया कि हमलावर ने कल विदेश मंत्रालय के भवन के बाहर दो पुलिसर्किमयों पर गोलियां चलायीं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी घायल हो गया। संवाद समिति इंटरफैक्स के अनुसार, पुलिस ने हमलावर की पहचान उत्तर काकेशस निवासी 30 वर्षीय रेनात कुनाशेव के रूप में की है। संवाद समिति का कहना है कि हमलावर ने पुलिसर्किमयों के खिलाफ जिस हथियार का प्रयोग किया, वह जानलेवा नहीं था। तास और इंटरफैक्स ने बाद में पुलिस के हवाले से लिखा कि हमलावर की सिर में चोट लगने से मौत हो गई है। घटना के पीछे हमलावर की मंशा अभी स्पष्ट नहीं है और पुलिस का कहना है ।

ट्रंप ने कहा, कोई गलती नहीं की, कोहेन की बातों को बताया कहानी

वाशिंगटन।

अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में 2016 के प्रचार अभियान के दौरान दो महिलाओं को मुंह बंद रखने के लिए धन देने के मामले में माइकल कोहेन की स्वीकरोक्ति के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है और उनके पूर्व अधिवक्ता कहानियां बना रहे हैं। कानून विशेषज्ञों की माने तो ट्रंप के राष्ट्रपति काल के लिए यह बेहद खराब समय है और अब यह मामला दीवानी मुकदमे के रूप में 'संघीय चुनाव आयोग' के पास जा सकता है। इससे ट्रंप के राष्ट्रपति पद पर मंडरा रहा खतरा और बढ़ गया है। गौरतलब है कि कोहेन ने कल न्यूयॉर्क की अदालत में यह बयान ऐसे वक्त में दिया जब ट्रंप के पूर्व प्रचार प्रमुख पॉल मैनफोर्ट को एक अन्य अदालत वित्तीय अपराध से जुड़े मामलों में दोषी ठहरा रही थी। ट्रंप के पूर्व वकील कोहेन ने कल अदालत में कई मामलों में अपना दोष स्वीकार करते हुए कहा था कि उन्होंने अपने बॉस के कहने पर दो महिलाओं को धन दिया ताकि वह राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के साथ अपने कथित प्रेम संबंधों पर मुंह बंद रखें। कोहेन के अनुसार उसने पॉर्न स्टार स्टोर्मी डैनियल्स और प्लेब्बॉय केरेन मैकडुगल को धन दिया था ताकि वे चुनाव प्रचार के दौरान अपना मुंह बंद रखें। हालांकि इस पूरे मामले में ट्रंप कोहेन को ही निशाना बना रहे हैं । उनका कहना है कि कोहेन कहानियां गढ़ रहे हैं। कोहेन पर आरोप लगाने के बाद ट्रंप ने ट्वीट किया, कोहेन ने जो किया वह कोई अपराध नहीं है। इतना ही नहीं इसके बाद 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' को दिये गये साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यह चुनाव प्रचार अभियान का उल्लंघन नहीं है।

भारतीय के फेसबुक पोस्ट से नाराज हुआ पूरा सिंगापुर, टी-शर्ट नहीं आई पसंद

इंटरनैशनल डेस्क।

भारतीय मूल के एक व्यक्ति के फेसबुक पोस्ट को लेकर सिंगापुर में लोगों के बीच नाराजगी पैदा हो गई है। इस फेसबुक पोस्ट में एक टी-शर्ट पर सिंगापुर का ध्वज फाड़कर उसके अंदर छिपे भारत के राष्ट्रीय ध्वज को दिखाया गया है। यहां भारतीय समुदाय की शुक्रवार साप्ताहिक पत्रिका तबला के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि यह तस्वीर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या 14 अगस्त को पहली बार सोशल नेटवर्किंग साइट पर डाली गई। इसे ऑनलाइन तब बड़े पैमाने पर साझा किया जब अविजीत दास पटनायक ने सिंगापुर इंडियंस एंड एक्सपैट्स पेज पर तस्वीर पोस्ट की। इस पेज से 11,000 लोग जुड़े हुए हैं। खबर में बताया कि एक दशक से सिंगापुर में रह रहे पटनायक ने तस्वीर के साथ हिंदी में एक कैप्शन लिखे जो लोकप्रिय बॉलवुड गीत 'फिर भी दिल है...'' था। कई नागरिकों ने इसे अपमानजनक बताया क्योंकि इसमें हाथों से सिंगापुर के ध्वज को फाड़ते हुए दिखाया गया है। पुलिस ने पुष्टि की कि वह इस मामले की जांच कर रहे हैं। पटनायक से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने माफी मांगी और कहा कि उनका आशय किसी का अपमान करना नहीं था। खबर में पटनायक के हवाले से कहा गया है, ''मैंने तस्वीर नहीं बनाई और इसे पहले ही बड़े पैमाने पर साझा किया जा चुका था ।

इसलिए मैंने इस तस्वीर को साझा कर दिया।'' उन्होंने कहा कि मैं सिंगापुर से बहुत प्यार करता हूं और मैं हमेशा देश की प्रशंसा करता हूं इसलिए मेरी मंशा कभी इतनी परेशानी पैदा करने की नहीं थी। मुझे लगता है कि तस्वीर दिखाती है कि हमारा दिल अपनी मातृभूमि के लिए भी धड़कता है।''

पटनायक के नियोक्ता डीबीएस बैंक ने फेसबुक पोस्ट पर टिप्पणी की कि वह इस मामले की जांच कर रहा है। सिंगापुर के कानून के अनुसार कोई भी व्यक्ति ध्वज का अपमान नहीं कर सकता। इसके लिए अधिकतम जुर्माना 10,000 सिंगापुर डॉलर है।

भ्रष्टाचार के मामले में द. कोरिया की पूर्व राष्ट्रपति को 25 साल की जेल

सोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व राष्ट्रपति पार्क ग्यून हे को 25 वर्ष के कारावास की सजा सुनायी है जिस वजह से उन्हें 2017 में सत्ता भी गंवानी पड़ी थी। पार्क लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित दक्षिण कोरिया की पहली राष्ट्रपति हैं जिन्हें संवैधानिक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में लिप्त होने के कारण पद से हटा दिया था। सोल की अदालत ने 66 वर्षीय पार्क को अपनी दोस्त चोई सून सिल के साथ सांठगांठ करके उनके परिवार तथा उनके गैर लाभकारी संस्थानों को अरबों वोन का लाभ पहुंचाने का दोषी पाया। पीठासीन न्यायाधीश किम मून सुक ने कहा, राजनीतिक तथा वित्तीय शक्तियों के बीच इस तरह के अनैतिक व्यवहार लोकतंत्र की मूल धारणा को नुकसान पहुंचाते हैं तथा बाजार की अर्थव्यवस्था में विकृतियां पैदा करते हैं। इससे लोगों को भारी नुकसान तथा समाज में अविश्वास पैदा होता है। इस वजह से सख्त सजा दिया जाना अनिवार्य है। अदालत ने सत्ता का गलत इस्तेमाल, रिश्वत और तानाशाही का दोषी पाये जाने के बाद पूर्व सैन्य तानाशाह की बेटी पार्क को 20 अरब वोन का जुर्माना भरने का भी आदेश दिया। इससे पहले एक निचली अदालत ने अप्रैल में पार्क को 24 वर्ष कारावास की सजा सुनायी थी लेकिन सरकारी अभियोजकों ने उन्हें और कड़ी सजा देने की मांग करते हुए इस फैसले को चुनौती दी थी। दक्षिण कोरिया की एक अन्य अदालत ने जुलाई में सरकारी निधि को नुकसान पहुंचाने तथा वर्ष 2016 में संसदीय चुनाव में हस्तेक्षप करने के मामले में दोषी पाये जाने के बाद पार्क को अतिरिक्त आठ वर्ष की सजा सुनायी थी। गौरतलब है कि पार्क 31 मार्च 2017 से जेल में बंद हैं,।

नहीं मरा बगदादी, नई रिकॉर्डिंग में 'जिहाद' छेड़ने का किया आह्वान

बेरुत।

कुख्यात आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट का सरगना अबू बकर अल बगदादी की कथित नई ऑडियो रिकॉर्डिंग में उसने मुस्लिम समुदाय से ''जिहाद'' छेडने का आह्वान किया है। कल ईद अल-अजहा के मौके पर टेलीग्राम संदेश में बगादादी पश्चिमी देशों में हमलों का आह्वान भी कर रहा है। बगदादी का यह कथित ऑडियो तब आया है जब इस आतंकी संगठन को इराक और सीरिया के ज्यादातर हिस्सों से खदेड़ा जा चुका है। गत वर्ष सितंबर के बाद से आईएस सरगना की यह पहली रिकॉर्डिंग बताई जा रही है। बगदादी ने कहा, ''जो लोग अपने दुश्मनों के खिलाफ अपना धर्म, धैर्य, जिहाद भूल चुके हैं और अल्लाह के वादे में उनका यकीन खो चुका है और वह बेआबरू हो चुके हैं । लेकिन वे इस पर चलते हैं तो वे शक्तिशाली और विजयी हैं यहां तक कि एक निश्चित समय के बाद भी।'' आईएस ने 2014 में सीरिया और इराक के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था और अपने आप को इन इलाकों का ''खलीफा'' घोषित किया था लेकिन अब वह दोनों ही देशों में ज्यादातर हिस्सों से खदेड़ा जा चुका है। बगदादी ने रिकॉर्डिंग में पश्चिम एशिया, एशिया और अफ्रीका में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, ''अल्लाह की रहमत से खलीफा बना रहेगा।'' अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह संदेश कब रिकॉर्ड किया गया लेकिन बगदादी सीरिया के उत्तर पूर्वी हिस्से के पुर्निनर्माण के लिए गत सप्ताह सऊदी अरब द्वारा 10 करोड़ डॉलर दिए जाने की आलोचना करता दिखाई दिया। उसने अमरीका और रूस को धमकी देते हुए कहा कि जिहादियों ने उनके लिए ''भयावहता'' की तैयारी की है।

रूस और अमेरिका आईएस के खिलाफ हमलों का समर्थन करते हैं। आईएस सरगना आखिरी बार जुलाई 2014 में इराक के दूसरे बड़े शहर मोसुल में सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिया था। बगदादी को कई बार मृत घोषित किया गया लेकिन एक इराकी खुफिया अधिकारी ने मई में बताया कि वह अब भी जिंदा है और सीरिया में रह रहा है।

कम कीमत पर रजिस्ट्री कराने वाले आयकर की रडार पर

सूरत। यदि आपने मकान खरीदा है, जिसमें कुछ रकम दो नबंर में दी है और मकान की रजिस्ट्री भी कम कीमत पर हुई है तो आप आयकर की जांच में फंस सकते हैं। आयकर विभाग, अहमदाबाद के डी.जी. अमित जैन ने बताया कि कई ढंग से कर चोरी करने वालों पर विभाग की नजर है। आयकर विभाग की जांच के दौरान यदि बिल्डर अथवा संपत्ति खरीदने वाले के यहां से दो नंबर में रुपए लेने-देने के दस्तावेज मिले तो विभाग इस जानकारी को रजिस्ट्री कार्यालय के साथ साझा करेगा। इस जानकारी के आधार पर रजिस्ट्री कार्यालय संपत्ति लेने वाले से उतनी रकम की रजिस्ट्री करवाएगा, जितने में संपत्ति खरीदी गई। आम तौर पर विभाग अब तक बिल्डर के यहां कार्रवाई कर उन्हीं से टैक्स और पैनल्टी वसूल करता था, लेकिन अब जांच संपत्ति खरीदने वालों तक पहुंच सकती है।

जैन ने बताया कि आयकर विभाग तीन पहलुओं काला धन, बेनामी सम्पत्ति और प्रोसिक्यूशन पर फोकस कर काम कर रहा है। बेनामी सम्पत्ति एक्ट को ढंग से लागू करने के लिए यूनिट बनाई गई है। अब तक सूरत और वड़ोदरा में 15 करोड़ रूपए की 56 संपत्तियां जब्त की गई हैं। यदि किसी करदाता की विदेश में संपत्ति है तो यह जानकारी भी उसे रिटर्न में बतानी पड़ेगी।

आयकर विभाग के लिए करदाता की और से दिया गया स्टेटमेंट एक सबूत है। यदि करदाता अपने बयान में गलत जानकारी देता है, जिससे जांच प्रभावित हो या काला धन छिपाने की कोशिश की गई हो तो विभाग उसके खिलाफ प्रोसिक्यूशन करेगा। अब तक सूरत और वड़ोदरा में 77 मामलों में शो-कॉज नोटिस दिया गया है।

इनमें से 8 मामलों में प्रोसिक्यूशन की मंजूरी मिल चुकी है। नए नियमों के अनुसार अब कई जांच एजेंसियां एक साथ काम करेंगी। जांच के दौरान आयकर विभाग को ओवरवेल्यूएशन का पता चला तो संबंधित विभाग को जानकारी पास-ऑन की जाएगी। अब आयकर विभाग सर्च या सर्वे के दौरान तुरंत संपत्ति जब्त कर सकता है। पहले जांच रिपोर्ट तैयार करने में कुछ समय लगता था और लोग संपत्ति बेच कर फरार हो जाते थे।

डीआइ विंग ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में नौ सर्च, रिक्वीजेशन तथा अन्य कार्रवाई के दौरान 997 करोड़ रुपए का काला धन पकड़ा। इसमें 9.7 करोड़ रुपए की नकदी और ज्वैलरी शामिल है। इसके अलावा एक मामले में एक बिल्डर के दस्तावेजों की जांच करते समय दूसरे बिल्डर के 44.50 करोड़ रुपए के काले धन की जानकारी मिल गई।

न्यू सिविल अस्पताल से फरार हुई महिला कैदी

सूरत। लाजपोर जेल से उपचार के लिए न्यू सिविल अस्पताल लाई गई एक महिला कैदी गुरुवार शाम पुलिसकर्मियों की लापरवाही के कारण फरार हो गई। खटोदरा पुलिस ने फरार कैदी और ड्यूटी पर तैनात तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक अहमदाबाद जिले के हाथीजण गांव निवासी मीरा चुनारा (35) को पासा के तहत कैद की सजा हुई थी। कुछ समय पहले उसे अहमदाबाद से लाजपोर जेल स्थानांतरित किया गया था। टीबी की मरीज मीरा की जेल में तबीयत बिगडऩे पर रविवार को न्यू सिविल अस्पताल भेजा गया था। चिकित्सकों ने उसे टीबी वार्ड में भर्ती कर लिया था। अस्पताल में उसकी सुरक्षा के लिए कांस्टेबल संजय, महिला लोकरक्षक प्रियंका और अरुणा को तैनात किया गया था। गुरुवार शाम पांच से साढ़े पांच बजे के दौरान तीनों की लापरवाही के कारण वह अस्पताल से फरार हो गई। शाम साढ़े पांच बजे बैड से गायब मिलने पर उन्होंने अस्पताल में खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ अता-पता नहीं चला। उन्होंने खटोदरा थाने में सूचना दी। पुलिस मुख्यालय के उप निरीक्षक बी.जी. सोसा की प्राथमिकी के आधार पर देर रात खटोदरा पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि मीरा की खोज में एक टीम अहमदाबाद की तरफ रवाना की गई है।

सूरत से 56 टन राहत सामग्री रवाना

सूरत कलक्टर धवल पटेल ने पिछले रविवार रुस्तमपुरा कम्युनिटी हॉल में केरल समाज तथा कुछ एनजीओ के साथ बैठक कर राहत सामग्री इकट्ठा करने के लिए कहा था। सोमवार को कलक्टर कार्यालय में कॉर्पोरेट तथा एनजीओ की बैठक बुलाई गई थी। केरल समाज, सूरत शाखा के एडवाइजरी कमेटी के सदस्य संजय इजावा ने बताया कि सूरत से 21 अगस्त को पहला ट्रक एर्नाकुलम रवाना हुआ था। दूसरा ट्रक शुक्रवार को कर्नाटक में था। शुक्रवार रात तीसरे और चौथे ट्रक को केरल रवाना किया गया। मानव सेवा संघ छांयड़ो की ओर से सात टन राहत सामग्री उपलब्ध करवाई गई है।

यह है राहत सामग्री

केरल समाज ने राहत सामग्री की सूची तैयार की है। इसमें चावल, मूंग दाल, तुवर दाल, रवा, चीनी, चाय पत्ती, तेल, मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, नमक, चना, बिस्किट, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, डिटॉल, स्मॉल टॉर्च, टूथपेस्ट, डिटर्जेन्ट, सेनेटरी नैपकिन, नए कपड़े आदि शामिल हैं।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में वृद्धा, दो श्रमिकों की मौत

बारडोली। कामरेज तहसील के अंत्रोली गांव की 65 वर्षीय वृद्धा की देलाड गांव के पास गटर में गिरने से मौत हो गई। इसी तरह पलसाना तहसील के जोलवा और बलेश्वर मिल में काम कर रहे दो श्रमिक प्लांट से नीचे गिर जाने से दोनों की मौत हो गई।

अंत्रोली गांव निवासी सविता बचु वसावा (65) अपने घर से पैदल देलाड गांव जाने के लिए निकली। ओरणा से देलाड मार्ग पर विश्राम के लिए एक खेत में पेड़ के नीचे बैठी थी, इसी दौरान असंतुलित होकर गटर में गिर गई। गंभीर चोट लगने से सविता की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

उधर, जोलवा गांव के हरिधाम सोसायटी निवासी तथा जोलवा स्थित सायबा मिल में रघु मोहन पटेल गुरुवार शाम को काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक नीचे गिर गया। उसे घायलवस्था में सूरत के स्मीमेर अस्साल में भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

कपड़ा व्यापारी अब टर्नओवर बढऩे से चिंतित

सूरत। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) लागू होने के बाद कई कपड़ा व्यापारियों की छोटी-छोटी पेतियां एक में ही विलय हो गई हैं। इससे उनका टर्नओवर बढ़ा है। कुछ व्यापारियों को टर्नओवर बढ़ जाने के कारण आयकर विभाग की ओर से नोटिस मिलने का भय सता रहा है। फोस्टा और आयकर विभाग की ओर से शुक्रवार को न्यू टैक्सटाइल मार्केट में आयोजित सेमिनार के दौरान व्यापारियों ने चीफ कमिश्नर अजयदास मेहरोत्रा से पूछा कि जीएसटी के बाद उनका टर्नओवर बढ़ा हो तो क्या आयकर विभाग स्क्रूटनी के लिए नोटिस देगा? चीफ कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि आयकर विभाग में पिछले कुछ साल में स्क्रूटनी के मामलों में कमी आई है। एक औसत के अनुसार सूरत में 300 में से एक मामले में ही नोटिस दिया गया है। टर्नओवर बढऩे पर नोटिस नहीं मिलेगा, लेकिन यदि टर्नओवर घटा हो तो नोटिस मिल सकता है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स ने अब करदाताओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन एसेसमेंट की प्रक्रिया शुरू की है।

इसके अनुसार करदाताओं को ऑनलाइन जवाब देना होगा। करदाता का एसेसमेंट संबंधित अधिकारी के स्थान पर दूसरे अधिकारी को मिल सकता है। अब स्क्रूटनी के गिने-चुने मामलों में ही करदाता से जवाब मांगा जाता है। यदि कोई अधिकारी परेशान करने के आशय से अन्य जानकारी भी मांग रहा हो तो करदाता आयकर विभाग में शिकायत कर सकते हैं। आयकर के नियम के अनुसार छह साल के मामलों की जांच हो सकती है, इसलिए व्यापारी तब तक का हिसाब मेन्टेन रखें। सेमिनार में आयकर विभाग की ओर से ड्क्षप्रसिपल कमिश्नर राजीव विजय नाबर, ज्वॉइन्ट कमिश्नर जे.के. चंदनाणी, असिस्टेंट कमिश्नर गौरव अवस्थी मौजूद थे।

अहमदाबाद मेडिकल शोप के व्यापारियों के द्वारा ओनलाईन शोपिंग के विरोध में अपनी दुकाने भी बंद रखी गई थी।

२३ लाख के खर्च से माणेक बुरज का रिस्टोरेशन होगा

अहमदाबाद। जुलाई २०१७ में युनेस्को की ओर से अहमदाबाद शहर को देश के सर्वप्रथम वर्ल्ड हेरीटेज सिटी का दरज्जा दिया गया था। उसके बाद से अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से अलग अलग कदम उठाये जा रहे है। अहमदाबाद शहर की भव्य विरासत के जतन के लिए भी अब कदम उठाये जा रहे हैं। अलग अलग योजनाओं का आयोजन किया जा रहा है। हेरीटेज वॉक, वर्ल्ड हेरीटेज विक, हेरीटेज आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शहरी नाटको का भी आयोजन किया जा रहा है। शहर के ऐतिहासिक माणेकबुरज का रिस्टोरेशन काम भी किया जा रहा है। शहर के शंकर भुवन के निकट दिवाल पर रिस्टोरेशन काम भी शुरु किया जाना है। अहमदाबाद शहर में काकरीया तालाब की चारो ओर भी नई कार्रवाई की जाएगी। स्थापत्य के रिस्टोरेशन की कार्रवाई की जा रही है। ऐतिहासिक माणेक बुरज के २३ लाख के खर्च से रिस्टोरेशन किया जाएगा। युनिस्को की ओर से अहमदाबाद को देश का प्रथम वर्ल्ड हेरीटेज सिटी घोषित करने के बाद म्युनिसिपल अधिकारियो की ओर से देश विदेश में रहनेवाले लोगों को अहमदाबाद के बारे में जानने की अधिक उत्सुकता बढ़ी है। अहमदाबाद में सेप्ट की ओर से तैयार किये गए डोजीयर के आधार पर साल २०११ में टेन्टेटीव लिस्ट ओफ वर्ल्ड हेरिटेज सिटी में स्थान दिया था।

आज पांच नदियों में विसर्जन की जाऐंगी वाजपेयी की अस्थिया

सोमनाथ त्रिवेणी संगम में भी अस्थि विसर्जन : आज सुरत में १२ बजे अस्थि कुंभ यात्रा बाद तापी में विसर्जन

अहमदाबाद । बीजेपी की प्रदेश मीडिया सेल की लिस्ट में बताया गया है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के अवसान के बाद अलग अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कल २५ अगस्त से लेकर २७ अगस्त तक गुजरात की पांच पवित्र नदियों में अटल बिहारी वाज पेयी की अस्थियों का विसर्जन किया जाएगा। कल २५ अगस्त के दिन सुरत की तापी, सिद्धपुर में सरस्वती और सोमनाथ त्रिवेणी संगम में वाजपेयी के अस्थियों का विसर्जन किया जाएगा। २७ अगस्त के दिन बडौदा की महिसागर नदी और भरूच की नर्मदा नदी में अस्थि विसर्जन किया जाएगा। सुरत में प्रदेश अध्यक्ष जीतुभाई वाघाणी और प्रदेश महामंत्री भरतसिंह परमार विशेष रुप से उपस्थित रहेंगे। सिद्धपुर में उप मुख्यमंत्री नीतिन पटेल, प्रदेश महामंतरी केसी पटेल, हरिभाई चौधरी, शंकरभाई चौधरी उपस्थित रहेंगे।

सोमनाथ में केन्द्रिय मंत्री मनसुखभाई मांडविया, कैबिनेट मंत्री भुपेन्द्रसिंह चुडासमा और आरसी फलदु उपस्थित रहेंगे। २७ अगस्त के दिन बडौदा में केन्द्रिय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला और प्रदेश महामंत्री ब्रह्मभट्ट उपस्थित रहेगे। भरूच में केन्द्रिय मंत्री जसवंतसिंह भाभोर और राज्य सरकार के मंत्री उपस्थित रहेंगे। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का १६ अगस्त के दिन दुखद अवसान हुआ है। विलक्षण बुद्धि प्रतिभा, विद्वान राज नेता, कवि और प्रखर देश प्रेमी वाजपेयी करोडो देशवासियों के प्रिय नेता थे। उनके अवसान से देश को एक बड़ा नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल समेत हजारो कार्यकरो और नगरजनो की उपस्थिति में पवित्र साबरमती नदी में अस्थि विसर्जन किया गया था। २५ अगस्त के कार्यक्रम को लेकर भी तैयारीया की गई है। सुरत में दोपहर १२ बजे कामरेज से अस्थि यात्रा शुरु होगी। चार बजे कुरुक्षेत्र स्मशान भूमि के निकट तापी नदी में अस्थि विसज न किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष जीतुभाई उपस्थित रहेंगे। सिद्धपुर में तीन बजे आंबेडकर चौक से अस्थिकुंभ यात्रा निकलेगी। इसके बाद बिंदु सरोवर सरस्वती नदी में अस्थि विसर्जन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री नीतिनभाई पटेल, प्रदेश महामंत्री केसी पटेल भी उपस्थित रहेंगे।

हार्दिक के उपवास के चलते मजबूत सुरक्षा

हार्दिक पटेल आज उपवास को लेकर अब भी आक्रमक

अहमदाबाद। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल के उपवास को लेकर सभी कदम उठाये जा रहे है। हार्दिक पटेल उपवास को लेकर आक्रमक होने के चलते सभी कदम उठाये जा रहे है। पाटीदार समाज के लोगों को आरक्षण और किसानों की लोन माफ करने जैसे मुद्दो को लेकर हार्दिक पटेल ने कल से उपवास शुरु करने की घोषणा की है। उपवास करने की पुलिस ने मंजुरी नहीं दी है। जिसके चलते हार्दिक पटेल अब अपने घर पर ही उपवास करने की तैयारी में है। किन्तु हार्दिक पटेल को घर में भी उपवास करने की मंजुरी दी जाएगी या नहीं इसे लेकर सस्पेन्स बना हुआ है। धारा १४४ लागू की जा चुकी है। ऐसी स्थिति में हार्दिक पटेल को मंजुरी मिलेगी या नहीं इसे लेकर चर्चा है। पुरे राज्य में हार्दिक पटेल के उपवास आंदोलन को लेकर भारी उत्तेजना देखी जा रही है। रामोल केस में हार्दिक पटेल के केस में फैसला सोमवार तक टाला जा चुका है।

रामोल केस में जमानत रद्द करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में अर्जी दायल की जा चुकी है। उसे लेकर फैसला सोमवार को आने की संभावना है। कल से उपवास करने की घोषणा हार्दिक पटेल ने कर दी है। जिसे लेकर पुलिस भी चुस्त बंदोबस्त में दिख रही है। कोई भी घटना न हो इसे लेकर कदम उठाये जा रहे हैं। हार्दिक पटेल के आवास के आसपास भी सुरक्षा बढ़ाई जा रही है। हार्दिक पटेल को समर्थन देने के लिए पहुंच रहे पास कार्यकरो को राजकोट में ही गिरफ्तार कर लिया गया है। हार्दिक पटेल के उपवास के वक्त कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब न हो इसके लिए पुलिस आज से ही एलर्ट हो चुकी है। हार्दिक पटेल ने कोई भी कीमत पर उपवास करने की बात की है जिसे लेकर पुलिस तंत्र सावधान है। १९ अगस्त के दिन एक दिन के प्रतिक उपवास की भी घोषणा की थी। पुलिस की मंजुरी नहीं मिलने पर भी हार्दिक उपवास करने को लेकर कटिबद्ध दिख रहा है। उल्लेखनिय है कि १९ अगस्त के दिन गिरफ्तार होने के बाद सुरत समेत के शहरो में विरोध प्रदर्शन और तोड़फोड की घटना हुई थी। राज्य में सभी पुलिस कर्मचारियों की छुट्टी रद की जा चुकी है। शहर के रामोल, निकोल समेत के इलाको में मजबूत पुलिस बंदोबस्त रखा गया है। पुलिस पेट्रोलिंग की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। हार्दिक पटेल को यदी गिरफ्तार किया जाता है तो अन्य नेता भी उपवास कर सकते हैं ऐसी स्थिति को ध्यान में लेकर भी कदम उठाये गए है।

दिनभर हल्की बारिश का माहौल बना रहा

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में पिछले चार पांच दिनों से बारिश जारी रही है। आज भी बारिश जारी रही जिसके चलते शहरीजनों में खुशी का माहौल देखा गया। पुरे दिन के दौरान नियमित रुप से बारिश होती रही। दोपहर के वक्त आज भारी बारिश हुई। जिसके चलते कुछ ही देर में बहुत से इलाको में पानी भर गया। तुफानी बारिश के चलते बहुत से इलाको में लोगों को परेशानी भी हुई। एक बार तो भारी बारिश के चलते अलग अलग बीआरटीएस कोरिडोर में भी बारिश का पानी भर गया। बीआरटीएस बस को भी मुश्कील का सामना करना पड़ा। किन्तु बारिश में ब्रेक की स्थिति होने से पानी भरने की अधिक शिकायत नहीं मिली है। आज सुबह से ही बारिश का माहोल रहा। रेइनकोट के बिना निकले हुए लोगों को अलग अलग जगह पर बारिश से बचने के लिए रुकना पडा था। कल रात भी बारिश का मौसम रहा। आज सुबह से बारिश के चलते शहर के सेटेलाईट, नवरंगपुरा, नारायणपुरा, गुरुकुल, थलतेज, बोपल, मेमनगर, निकोल, वस्त्रापुर, शाहीबाग, बापूनगर, मकरबा, रायपुर, दाणीलीमडा, कालुपुर, जिवराजपार्क समेत के विस्तारो में भारी बारिश हुई। पिछले कुछ दिनों से अहमदाबाद शहर में बारिश और मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के चलते रास्तो की हालत खराब हो चुकी है। अलग अलग इलाको में बड़े गड्ढे से भी लोग परेशान दिख रहे हैं। आज भी शहर के बहुत से इलाको में लोगो ने मुश्कील का सामना किया। बारिश के चलते दोपहर के वक्त ट्राफिक जाम के द्रश्य भी देखने को मिले। दुसरी ओर अहमदाबाद शहर में आज अधिकतम तापमान ३१. डिग्री और न्यूनतम तापमान २४.२ डिग्री दर्ज हुआ। अहमदाबदा में हल्की बारिश जारी रहने की बात मौसम विभाग ने की है। आज दिनभर हल्की बारिश होती रही और बारिश के बादल भी रहे।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com